दो अलग तरह के कप्तान

विराट कोहली और महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी स्टाइल के अंतर पर बात करते हुए पैडी अपटन ने कहा, धोनी और कोहली दो अलग तरह के कप्तान हैं। धोनी शांत रहते हैं और उनका दिमाग हमेशा स्थिर रहता है वहीं कोहली थोड़े भावुक हैं।

धोनी-विराट की कप्तानी में क्या अंतर, पूर्व कोच ने बताया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। पैडी अपटन टीम इंडिया के स्ट्रैंथ और मेंटल कंडीशनिंग कोच रह चुके हैं। खिलाड़ियों की मनोदशा को समझना और उनसे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवाने में अहम भूमिका निभाना उनकी खासियत है। 2011 में जब भारत ने महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में वर्ल्ड कप जीता, तब अपटन टीम के साथ थे। वह खेल में मानसिक दृढ़ता और स्थिरता की अहमियत समझते हैं। अपटन ने बातचीत में कई पहलुओं पर चर्चा की। उन्होंने एक खिलाड़ी के रूप में विराट कोहली के सफर पर टिप्पणी करते हुए कहा कि फिटनेस के प्रति उनकी बदली सोच और रवैये ने उन्हें एक अच्छे खिलाड़ी से महान खिलाड़ी बनाया है। अपटन ने इसके साथ ही कोहली और महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी के तरीके पर भी बात की। उन्होंने दोनों कप्तानों की अप्रोच में अंतर पर खुलकर अपनी राय रखी। कोहली ने 2014 में धोनी से टेस्ट कप्तानी संभाली। जब इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में उन्होंने 4-0 से जीत हासिल की तो भारतीय टीम टेस्ट में नंबर वन रैंकिंग पर पहुंची।

भारत में कमाया तो वहां खर्च करना फर्जः अख्तर

भारत और पाकिस्तान साथ आकर एक-दूसरे की मदद करें

क्रिकेट

शोएब अख्तर ने मुंबई के कई इलाकों में लंगर भी लगाया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। कोरोना वायरस (कोविड-19) ने सारी दुनिया को रोककर रख दिया है। सारी दुनिया मुश्किल में है। इस बीच पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने भारत और पाकिस्तान को साथ आकर एक-दूसरे की मदद करने को कहा है। अख्तर ने अपने यू-ट्यूब चैनल पर कहा कि उन्होंने भारत में शो के दौरान जितना पैसा कमाया उसका 30 पर्सेंट यहीं लोगों की मदद में ही खर्च किया।

अख्तर ने हरभजन सिंह और युवराज सिंह द्वारा शाहिद अफरीदी फाउंडेशन के लिए मदद की अपील करने पर हुई आलोचना को गलत बताते हुए कहा कि ऐसा नहीं होना चाहिए। दुनिया के सबसे तेज गेंदबाज रहे अख्तर ने कहा कि यह मानवता दिखाने का वक्त है और इस समय सभी को आगे आकर एक-दूसरे की मदद करनी चाहिए।

अख्तर ने कहा कि जब भारत में उन्होंने ऐसा करने की बात कही जो चैनल की ओर से उन्हें मना किया गया था लेकिन अख्तर ने कहा था कि चूंकि वह भारत से कमाते हैं तो यहां खर्च और मदद करना इस मुल्क का हक है। उन्होंने कहा कि उन्होंने मुंबई के कई इलाकों में लंगर भी लगाया। उन्होंने कोशिश की हिंदू बहुल आबादी में लंगर लगाया जाए। उन्होंने कहा कि वह यह नहीं सोच सकते थे कि जिस मुल्क से पैसा कमाएं उसमें और वहां के लोगों पर खर्च न करें।

अख्तर ने कहा, 'भारत अगर हमें 10000 वेंटिलेटर देता है तो पाकिस्तान इसे हमेशा याद रखेगा। उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच वनडे सीरीज करवाए जाने की भी वकालत की। उन्होंने कहा कि इससे होने वाली कमाई को कोरोना वायरस के खिलाफ जंग में इस्तेमाल किया जा सकता है। रावलपिंडी एक्सप्रेस के नाम से मशहूर दुनिया के इस सबसे तेज गेंदबाज ने कहा कि हम तो सिर्फ मैचों की पेशकश कर सकते हैं। बाकी अधिकारियों को तय करना है। साल 2008 में मुंबई पर हुए आतंकवादी हमले के बाद से इन दोनों देशों ने एक-दूसरे के खिलाफ पूर्ण सीरीज नहीं खेली है। हालांकि एशिया कप और आईसीसी टूर्नामेंट में ये खेलते रहे हैं।

शोएब ने कहा कि इस मुश्किल वक्त में दोनों टीमें तीन मैचों की एक वनडे या टी20 सीरीज खेल सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस सीरीज का जो भी नतीजा निकले इससे आम लोगों को फायदा होगा। उन्होंने कहा, 'विराट कोहली शतक जमाता है तो हम खुश होंगे। बाबर आजम शतक ठोकता है तो आप खुश होंगे। मैच का नतीजा जो भी निकले, दोनों टीमें विजयी होंगी।'

अक्टूबर तक भी कोरोना वायरस पर नियंत्रण हुआ तब भी हो जाएगा आईपीएल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

लंदन। कोरोना वायरस महामारी के कारण विंबलडन 2020 को रद्द किया जा चुका है, लेकिन इसके आयोजक ऑल इंग्लैंड क्लब को बीमा के रूप में 10 करोड़ पाउंड मिलने की संभावना है। एक रिपोर्ट के अनुसार, विंबलडन प्रमुखों को बीमा के उस खंड को देखना होगा, जो संक्रामक रोगों को कवर करता है, जिसकी कीमत 10 करोड़ पाउंड यानी 947 करोड़ रुपये के बराबर है।

क्लब ने कहा कि वह एक साथ उन दावा को करने की प्रक्रिया में है, जिससे इस टूर्नामेंट के आयोजकों को मोटी रकम बीमा के तौर पर मिले। विंबलडन चौम्पियनशिप-2020 को

आधिकारिक तौर पर रद्द कर दिया गया है। एईएलटीसी ने कहा कि यह टूर्नामेंट अब 28 जून से 11 जुलाई, 2021 के बीच आयोजित किया जाएगा।

इस सयम फैली भयंकर बीमारी कोरोनावायरस के कारण यह फैसला लिया गया है। 1945 के बाद से यह पहली बार है कि यह टूर्नामेंट रद्द किया गया है। इससे पहले दूसरे विश्व युद्ध के दौरान इसे रद्द किया गया था। एईएलटीसी ने एक बयान में कहा, हमें बड़े दुख के साथ बताना पड़ रहा है कि ऑल इंग्लैंड क्लब और प्रबंधन समिति ने यह फैसला किया है कि चौम्पियनशिप-2020 को इस साल रद्द किया जाता है, जिसका कारण कोरोनावायरस है। 134वीं चौम्पियनशिप अब 28 जून से 11 जुलाई 2021 के बीच खेली जाएगी।

बयान में कहा गया है कि, इसके रद्द होने का परिणाम इससे जुड़े लोग, जिनमें खिलाड़ी भी शामिल हैं, पर क्या होगा, हमने इस बारे में सोच लिया है और इसके लिए हम रणनीति बना रहे हैं। यह लॉयल स्टाफ पर भी लागू होता है जिनके साथ हम जिम्मेदारी को गंभीरता से निभाते हैं।

ऋषभ पंत एक मैच विनर हैं, सही से करना होगा उनका इस्तेमाल: दीप दासगुप्ता

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। ऋषभ पंत को महेंद्र सिंह धोनी का उत्तराधिकारी माना जाता है। इस युवा खिलाड़ी में जबर्दस्त प्रतिभा है लेकिन अकसर खराब शॉट खेलकर आउट होने के लिए इनकी आलोचना भी की जाती है। हालांकि टीम इंडिया के पूर्व विकेटकीपर दीप दासगुप्ता का मानना है कि टीम प्रबंधन ने पंत के साथ बने रहकर अच्छा किया है।

दासगुप्ता ने एक अंग्रेजी वेबसाइट से कहा कि टीम प्रबंधन ने पंत में भरोसा दिखाकर अच्छा काम किया है पर साथ ही उन्होंने यह भी कहा पंत को संभालकर इस्तेमाल करना होगा। पंत ने अपने टेस्ट करियर की शुरुआत में ही इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में शतक लगा दिए हैं। पर हाल ही में उनके करियर में बहुत उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहे हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज में पंत को विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में चुना तो गया लेकिन उन्हें एक भी मुकाबले में खेलने का मौका नहीं मिला। 5 टी20 इंटरनैशनल और तीन वन्न में उनके स्थान पर केएल राहुल को तरजीह दी गई। टेस्ट सीरीज में पंत की वापसी हुई लेकिन यह प्रभावी नहीं थी।

न्यूज डायरी

लॉकडाउन में भी नहीं रुकेंगे पाक खिलाड़ी, देना होगा ऑनलाइन फिटनेस टेस्ट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) लॉकडाउन के कारण घरों में रह रहे अपने 200 से अधिक खिलाड़ियों का वीडियो लिंक के जरिए फिटनेस परीक्षण करेगा। इस दौरान उन्हें यो-यो टेस्ट से भी गुजरना होगा। पीसीबी ने कोविड-19 महामारी के दौरान अपने अनुबंधित खिलाड़ियों को शारीरिक तौर पर फिट रखने की कवायद में यह फैसला किया है। ईएसपीएनक्रिकइन्फो की रिपोर्ट के अनुसार फिटनेस परीक्षण 20 और 21 अप्रैल को किया जाएगा। कोरोना वायरस के कारण दुनिया भर के अन्य देशों की तरह पाकिस्तान में भी 15 मार्च से क्रिकेट ठप्प पड़ा हुआ है। ऐसे में पाकिस्तान अपने खिलाड़ियों की फिटनेस को लेकर उपाय कर रहा है। पाकिस्तान के कोच और मुख्य चयनकर्ता मिसबाह उल हक और टीम ट्रेनर यासिर मलिक ने सभी खिलाड़ियों को पत्र लिखकर उन्हें फिटनेस परीक्षण की जानकारी दी है।

ओलिंपिक क्वॉलिफिकेशन 8 महीने टलना भारतीय ऐथलीटों के लिए झटका

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। विश्व ऐथलेटिक्स का ओलिंपिक क्वॉलिफिकेशन दौर को नवंबर के आखिर तक निलंबित करने का फैसला भारतीय ट्रैक ऐंड फील्ड ऐथलीटों के लिए बड़ा झटका है जो इस साल के आखिर में होने वाली घरेलू प्रतियोगिताओं के जरिए क्वॉलिफाइ करने की उम्मीद लगाए हुए थे। इन प्रतियोगिताओं का आयोजन हालांकि अभी सुनिश्चित नहीं है क्योंकि कोविड-19 के कारण देश भर में लॉकडाउन है। विश्व ऐथलेटिक्स ने ऐथलीट आयोग, महाद्वीपीय संघों के प्रमुखों आदि से सलाह मशविरे के बाद मंगलवार को तोक्यो खेलों के लिए क्वॉलिफिकेशन समय छह अप्रैल से 30 नवंबर 2020 तक निलंबित कर दिया था। इस दौरान प्रतियोगिताओं में हासिल किए गए परिणाम पर तोक्यो खेलों के क्वॉलिफिकेशन मार्क या विश्व रैंकिंग के संदर्भ में विचार नहीं किया जाएगा। भारत के राष्ट्रीय उप मुख्य कोच राधाकृष्णन नायर ने कहा कि इस फैसले से कई भारतीय ऐथलीट निराश होंगे।

आईपीएल मिस कर रहा हूं लेकिन ब्रेक बुरा नहीं: ब्रैंडन मैककुलम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ऑकलैंड। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान और कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के कोच ब्रैंडन मैककुलम को आईपीएल की चकाचौंध की कमी तो खल रही है लेकिन जब दुनिया कोविड-19 महामारी से जूझ रही है तो उन्हें घर में आराम करना भी अच्छा लग रहा है। मैकुलम को इंडियन प्रीमियर लीग में केकेआर का मुख्य कोच बनाया गया है। कोरोना वायरस महामारी के कारण आईपीएल को अभी स्थगित किया गया है। मैकुलम ने कहा कि अभी की परिस्थितियों में सभी के लिए यही अच्छा है कि वे अपने घरों में रहें और सामाजिक दूरी बनाकर रखें। तभी दुनिया भर में हजारों लोगों की जान ले चुके इस वायरस को फैलने से रोका जा सकता है। इस पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ने टीवीएनजेड से कहा, यह आईपीएल की चकाचौंध और भारत से भी बहुत दूर है लेकिन इन परिस्थितियों में घर में आराम करना बहुत अच्छा लग रहा है। मैं पिछले तीन वर्षों से काफी व्यस्त रहा।

जरूरत पड़ने पर सचिन सर हमेशा देते हैं साथ: पृथ्वी साव

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मुंबई। साल 2018 में वेस्ट इंडीज के खिलाफ राजकोट टेस्ट से अपना इंटरनैशनल करियर शुरू करने वाले पृथ्वी साव डोपिंग में फंसने के चलते साल 2019 ज्यादातर समय क्रिकेट से बाहर ही रहे। न्यूजीलैंड दौरे से एक बार फिर उनकी टीम इंडिया में वापसी हुई थी और सबकुछ पटरी पर आता दिख ही रहा था कि कोरोना वायरस के कहर ने दुनिया की रफ्तार ही थाम दी। इस अनचाहे ब्रेक से भारतीय टीम का यह युवा ओपनिंग बल्लेबाज भी खुश नहीं है। साव ने अपने खेल से जुड़ी कई महत्वपूर्ण बातों पर चर्चा की। उन्होंने बताया, श्मेरी वापसी के बाद अभी सबकुछ पटरी पर लौट ही रहा था कि कोविड- 19 उस लय को तोड़ दिया। लेकिन आपको अपने देश के साथ खड़ा होना होता है। सुरक्षित रहने के लिए आपको घर पर ही रहना होगा।